

TOUR TO

MAHAVI
DEH

Rs. 5.00/-

LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN
MAGAZINE

10th October 2016 | Every Fortnight | English, Hindi & Gujarati





रोहन बुद्धिमान लड़का था। वह अपने Laptop में नई नई खोज का अविष्कार करता रहता था। जब उसे अंतरिक्ष आदि के बारे में कोई जानकारी मिलती थी, तो वह बहुत खुश हो जाता था।

Rohan was an intelligent, young and promising boy. He loved to surf the net and research about new inventions taking place. The subject that interested him the most was SPACE. He was utmost happy whenever he found or read anything new about the outer space.

अचानक एक दिन रोहन को Laptop में एक संकेत मिला और खोजते खोजते रोहन दूर एक बहुत ही divine जगह में पहुँच गया। वह जगह थी "महाविदेह क्षेत्र"। वहाँ रोहन को मेरु पर्वत, 20 तीर्थंकर, समवसरण, श्री सीमंधर स्वामी दिखाई दिए। रोहन उस दिशा में और खोजने लगा लेकिन उसकी लाइन disconnect हो गई। तुरंत ही, वह अपने प्रश्नों का समाधान लेने के लिए पूज्य गुरुदेव के पास गया।

Suddenly, one day Rohan's laptop started giving a totally new and different signal. On following the signal Rohan reached a place which seemed divine to him. Dear kids! Do you know that Rohan had reached "Mahavideh Kshetra" and he saw Meru Parbat, 20 Tirthankars, Samavasaran and the living Parmatma Shree Simandhar swami. Just when his curiosity was at its peak suddenly his line got disconnected. But, Rohan was not demotivated by this. To solve his queries he immediately went to Pujya Gurudev.



Scene 1 (Meru Parbat)



Scene 2 (Mahavideh Kshetra)



Scene 3 (Simandhar Swami)

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdharm
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years:
India : Rs. 1000/-
Abroad : Rs. 5000/-

रोहन : मत्थाण वंदामि पूज्य गुरुदेव।

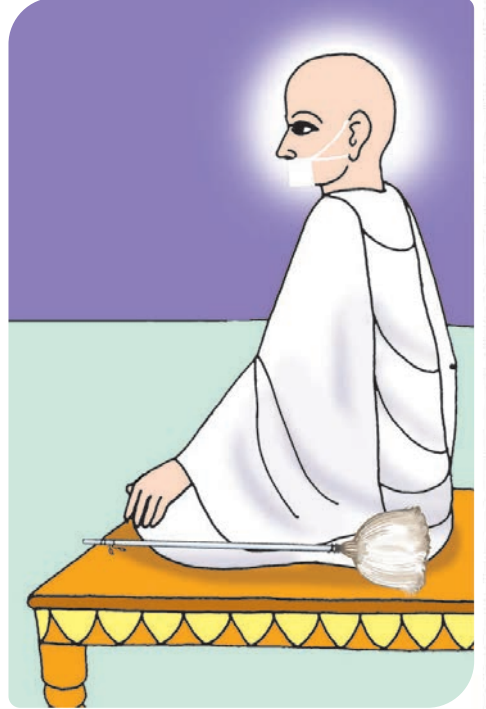
Rohan : Mathena Vandami Pujya Gurudev.

गुरुदेव : रोहन! आज बहुत उत्साहित दिख रहे हो।

Gurudev : Rohan! You are looking very excited today.

रोहन : हा गुरुदेव! आज मैंने Laptop में एक divine जगह के दर्शन किए। मैंने महाविदेह क्षेत्र, 20 तीर्थकर भगवान, श्री सीमंधर स्वामी और समवसरण देखा। मैं आश्चर्यचकित हो गया। गुरुदेव! क्या यह हो सकता है?

Rohan : Ji Gurudev! Today, my laptop gave some signals. On following that signal, I reached a very divine place. It was the Mahavideh Kshetra with all 20 Tirthankars, Shree Simandhar Swami, Samavasaran and the Meru Parbat. What a sight it was! Simply amazing! Gurudev! Can this be possible?



गुरुदेव : हाँ यह सब सच है। हमारे क्षेत्र से दूर दूर महाविदेह क्षेत्र है।

Gurudev : Yes, all this is right. There is another place far far away which is called 'Mahavideh Kshetra'.

रोहन : वास्तव में गुरुदेव! क्या आप मुझे वहाँ कैसे जाना, यह समजाएँगे?

Rohan : Really Gurudev! Will you explain how we can go there?

गुरुदेव : इस जन्म में वहाँ जाना मुश्किल नहीं है। लेकिन प्रभु का ध्यान करके और सीमंधर स्वामी की भक्ति करके रोहन तु अवश्य महाविदेह क्षेत्र में जा सकता है। मैं तुझे तेरे हर सवाल का जवाब दूँगा। आओ आज हम हमारे भरत क्षेत्र से महाविदेह क्षेत्र की भाव यात्रा करें।

Gurudev : It is not possible to go there in this birth. However, if you meditate daily and worship Parmatma Shree Simandhar Swami you can surely go there in future. I will answer all your questions. Let us take an imaginary journey from our Bharat Kshetra to Mahavideh Kshetra.



रोहन : महाविदेह क्षेत्र कहाँ है ?

Rohan : Where is Mahavideh Kshetra ?

गुरुदेव : चलो चलते हैं महाविदेह क्षेत्र की ओर, और देखते हैं वह कहाँ है और कैसा है। इस ब्रह्मांड में १५ ऐसी जगह हैं जहाँ मनुष्य जन्म तो ले सकते हैं, लेकिन इस दुनिया से अभी कोई वहाँ जा नहीं सकता। यह महाविदेह क्षेत्र हमारी दुनिया से पूरी तरह से अलग ही है, हम सब भरत क्षेत्र में रहते हैं। यह महाविदेह क्षेत्र पृथ्वी से लाखों मील दूर उत्तर पूर्व दिशा की ओर है। रॉकेट या अंतरिक्ष विमान भी वहाँ नहीं पहुँच सकते। यह सब बातें हमारे आगम में भी बताई गई हैं।

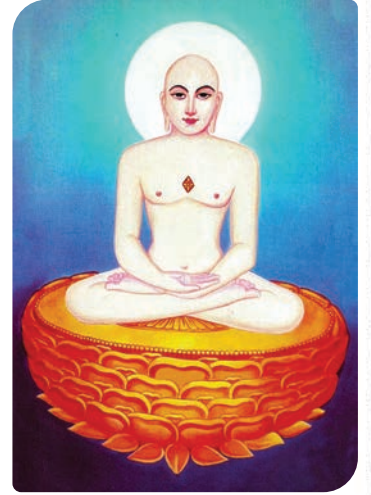
Gurudev : Let's go to Mahavideh Kshetra, let's see where it is and how it is? There are fifteen sections in this cosmos where man can take birth, however we cannot go from Bharat Kshetra to Mahavideh Kshetra. There are five sections in Mahavideh Kshetra too. They are completely different from ours. This place is millions of miles away from our Bharat Kshetra. We cannot reach there by spaceship and even by a rocket. This information is also provided in our Aagams.

रोहन : सीमंधर स्वामी कौन हैं?

Rohan : Who is Simandhar Swami?

मन ही मन रोहन की भावयात्रा शुरू हो गयी
और पूज्य गुरुदेव जो कह रहे थे वह सूनने लगा।

Rohan's Imaginary Bhav Yatra started, and every
word of Pujya Gurudev was etched in his memory.



गुरुदेव : महाविदेह क्षेत्र में तीर्थंकर सदाकाल होते हैं। वहाँ कम
से कम २० तीर्थंकर बिराजमान होते हैं। सीमंधर
स्वामी उनमें से एक हैं जो हमारे नजदीक हैं। हमें उनकी भक्ति अवश्य
करनी चाहिए। लेकिन हमारे भारत क्षेत्र में निश्चित समय पर ही तीर्थंकर का
जन्म होता है।

Gurudev: The Mahavideh Kshetra is always graced by the presence of
Tirthankars. You will always find 20 Tirthankars in Mahavideh
Kshetra. Simandhar Swami is one of them. We must never forget to
worship him.

रोहन : सीमंधर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ?

Rohan : Where was Simandhar Swami born?

गुरुदेव : च्यवन कल्याणक के समय श्री सीमंधर
स्वामी की माता श्री सत्यकीदेवी ने १४
पावन स्वपनों का दर्शन किया।
पुंडरीकगिरी नगरीमें उनके पिता का
नाम श्रेयांस राजा था।



Gurudev: At the time of Chyavan Kalyanak
Shri Simandhar Swami's mother
Shree Satyaki Devi dreamt 14
auspicious dreams in the city of Pundarikgiri. His father's name is
Shreyansh Raja.

गुरुदेव : सीमंधर स्वामी का जन्म १७ वे तीर्थंकर श्री कुंथुनाथ और १८ वे तीर्थंकर श्री अरनाथ के शासन काल में हुआ था। सीमंधर स्वामी का जन्म होते ही सिर्फ उनके माता-पिता ही नहीं पूरा राज्य और सभी देवी देवता आनंदीत होते हैं और देवता, परमात्मा का मेरु पर्वत पर अभिषेक करके जन्म कल्याणक मनाते हैं और देवदुंधी और दिव्यध्वनी जैसे वाजिंत्र बजाने लगते हैं।

Gurudev: Bhagwan was born during the times of 17th Tirthankar Shree Kunthunath and 18th Tirthankar Shree Aranath. On his birth not only were his parents happy, but the whole kingdom was swaying with happiness. Even the celestial Gods and Goddesses were celebrating by playing the divine flute and drums. With gaiety, the King of God's Indradev himself along with all the other celestial God's takes Parmatma to the Meru Parbat to celebrate his birth.



रोहन : सीमंधर स्वामी का बचपन कैसा था?

Rohan : How was Simandhar Swami's childhood?

गुरुदेव : देखो रोहन, परमात्मा खेल रहे हैं। देव लोक के देवता बालक का रूप धारण करके परमात्मा के साथ खेलने आते हैं ताकी उन्हें बुरी संगत से दूर रख सकें।



Gurudev: Look here Rohan! Parmatma is playing. The celestial beings have assumed the form of small kids to come & play with Parmatma. They become his friends to save Parmatma from bad company.

रोहन : ओ गुरुदेव... यह तो अत्यंत अद्भुत है। मैं भी परमात्मा के साथ खेलने की भावना रखता हूँ।

परमात्मा कौन सी विद्यालय में पढ़ते थे?

Rohan : Oh Gurudev! This is so amazing. Even I wish to play with Parmatma. In which school did Parmatma study.

गुरुदेव : देवलोक के देवता परमात्मा को शिक्षा देने के लिए आते हैं। लेकिन परमात्मा तो तीन ज्ञान लेकर ही जन्मे लेते हैं, वह तीन ज्ञान है मति ज्ञान, श्रुत ज्ञान, अवधि ज्ञान। परमात्मा के पास तीन ज्ञान होते हुए भी अपने शिक्षक को यह बात बीना बताएँ आदर पूर्वक पढ़ते हैं। आज के computer से भी ज्यादा ज्ञान परमात्मा के पास होता है।

Gurudev: Did you know Rohan that the celestial beings take the form of teachers to teach a Tirthankar. However, right from birth itself Bhagwan has three different kinds of knowledge - Mati gyan, Shrut gyan and Avadhi gyan. He is the master of knowledge and yet can you see how much reverence he is showing to his teachers. None of the super computers invented by man can beat the knowledge that Parmatma has.



रोहन : परमात्मा का चौवन काल में रूप कैसा था ?

Rohan : How did Parmatma look when he was young?

गुरुदेव : सीमंधर स्वामी दुनिया के सबसे सुंदर युवा दिखते थे परमात्मा की सुंदरता की इस दुनिया में कोई तुलना नहीं कर सकता परमात्मा की ऊंचाई 500 धनुष्य थी। मतलब 1500/3000 ft.(महाविदेह क्षेत्र में सभी व्यक्तियों की लगभग की यह ऊंचाई होती है।) परमात्मा कुछ समय संसार में रानी रुकमणी के साथ बीताते हैं।



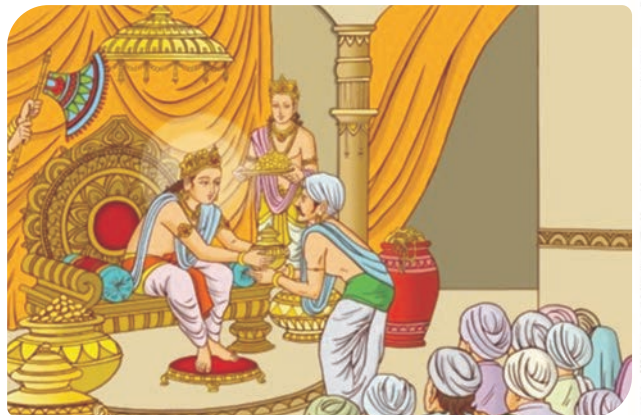
Gurudev: Parmatma has grown up & entered adulthood. His handsomeness is unparalleled. No one can match upto His attractiveness and radiance. His height is 500 bow, which is over 1500/3000 feet. (This is average height of people in Mahavideh Kshetra). Parmatma ties a worldly bond with Rani Rukhmani for sometime.

रोहन : परमात्मा दीक्षा कब लेते हैं ?

Rohan : When does Parmatma take Diksha?

गुरुदेव : भगवान अपने संसारिक जीवन का त्याग करते हैं, भगवान स्वयं दीक्षा ग्रहण करते हैं। दीक्षा लेने के पूर्व भगवान वर्षादान देते हैं।

Gurudev: Parmatma renounces his worldly life and takes diksha on his own for the upliftment of the people. Before taking diksha Parmatma gives Varshidaan.





How can we reach Mahavideh Kshetra?

Dear kids, find the following objects given in the next two picture pages & circle them. Write a “YES” or “NO” to the following questions asked.

Justify your answer in 2-3 lines given below. Who will reach Mahavideh Kshetra according to you?

- 01) Can flying birds fly to Mahavideh Kshetra?
- 02) Can a super fast Moksh jet take you to Mahavideh Kshetra?
- 03) Can a parachute take you to Mahavideh Kshetra?
- 04) Can an aeroplane fly you to the Mahavideh Kshetra?
- 05) Can a space ship reach Mahavideh Kshetra?
- 06) Can a kid doing Dharma aaradhna reach Mahavideh Kshetra with his shubh bhav?

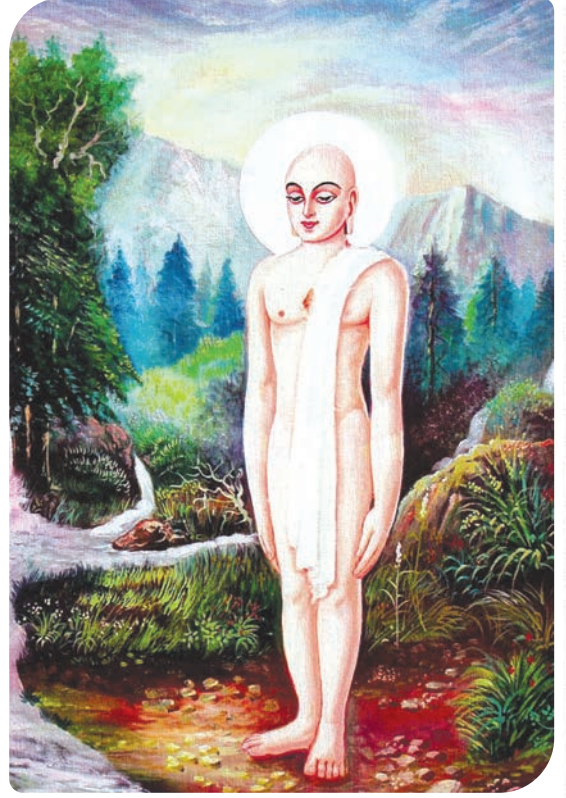
Your Justification :



रोहन : गुरुदेव, केवलज्ञान किसे कहते हैं?

Rohan : Gurudev, what is Kevalgyan?

गुरुदेव : परमात्मा ने अपने साधु जीवन में १००० वर्ष तक उच्चकोटी की तपस्या की। उनके फल स्वरूप परमात्मा के घाती कर्म का नाश हुआ और परमात्मा को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई। परमात्मा को केवलज्ञान चैत्र सुदी तेरस के दिन प्राप्त हुआ। उस दिन ८४ गणधर, १ अबज केवलज्ञानी, १० अबज साधु, २०० अबज श्रावक और २०० अबज श्राविका उपस्थित थे।



Gurudev: Parmatma spends 1000 of years of his life as a Sadhu doing severe religious austerities. As a result Parmatma sheds his remaining karmas and attains Omniscience - The ultimate knowledge. Parmatma attained Omniscience on the 13th day of Chaitra month. On that day 84 Gandhars, 1 billion Kevalis, 10 billion Sadhu, 200 billion Shrivak and 200 billion Shrivika were present to witness this divine event.

रोहन : यह केवलज्ञान प्राप्त होते ही क्या होता है?

Rohan : What happens when one attains kevalgyan?

गुरुदेव : केवलज्ञान यानि संपूर्ण ज्ञान। केवलज्ञान प्रगट होने से संपूर्ण विश्व का ज्ञान प्रगट हो जाता है और उन्हें ब्रह्मांड (universe) की सारी चीजें दिखती हैं। रोहन...यह सब तुम ध्यान से सुन रहे हो और परमात्मा के प्रति तुम्हारा जो यह अहोभाव है, यह सब परमात्मा अभी भी देख रहे हैं।

Gurudev : Kevalgnan means the ultimate knowledge. It means that Parmatma has knowledge and He is able to see each and everything. Even now Parmatma knows that you are listening to him very enthusiastically.

रोहन : गुरुदेव क्या यह सच है? क्या सच में परमात्मा मुझे देख रहे हैं?

Rohan : Really Gurudev! Can Parmatma see me? Is he really seeing me?

गुरुदेव : हा रोहन, परमात्मा तुम्हें देख रहे हैं।

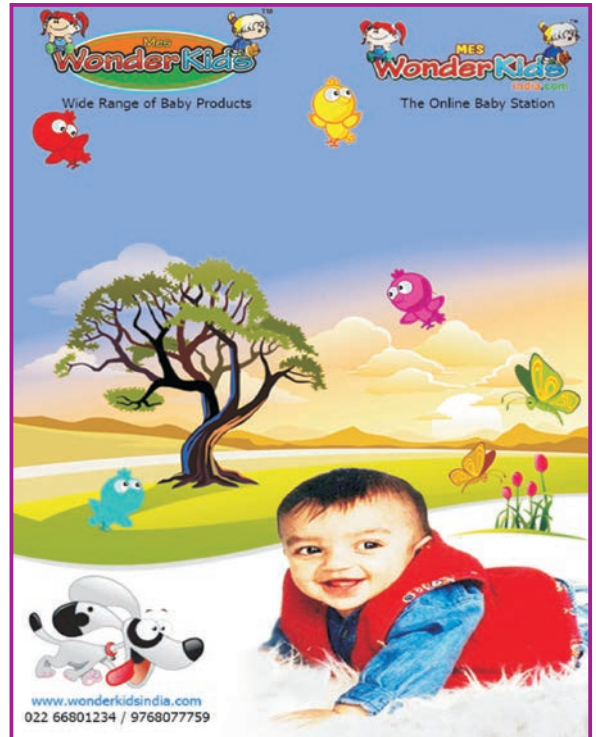
Gurudev : Yes Rohan, he is seeing you.

रोहन : गुरुदेव, क्या परमात्मा मुझसे खुश है?

Rohan : Gurudev, Is Parmatma happy with me?

गुरुदेव : परमात्मा कभी किसी से खुश या नाराज नहीं होते हैं। परमात्मा सभी जीव पर प्रेम बरसाते हैं। इसलिए हम परमात्मा को "करुणा सागर" कहते हैं। परमात्मा वितरागी हैं।

Gurudev : Parmatma is never pleased or displeased with anyone. His love for everyone is equal and consistent. He is compassionate. He is Vitraagi.



Agushmaan Bhava

A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby
Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth
Now At Just ₹9990*



LifeCell™

Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECCELL' TO 53456 | www.lifecell.in

*Terms & Conditions Apply

गुरुदेव : जैसे ही परमात्मा को केवलज्ञान की प्राप्ति होती है, देवलोक के देवता समवसरण की रचना करते हैं। परमात्मा समवसरण में देशना देते हैं। उनकी देशना सुनने के लिए देवी-देवता, श्रावक-श्राविका, साधु-साध्वीजी, गणधर, पशु-पक्षी सब मित्र बनकर आते हैं।



Gurudev: As soon as Parmatma attains Kevalgnan, the celestial beings set up a Samavasaran. It is the religious assembly of a Tirthankar. Parmatma sits at the top most level of the assembly and gives divine discourses. God-Goddess, Sadhu-Sadhvi, Shrivak-Shrivika, Gandhar, human beings, animals all sit in this assembly and listen to the divine words with peace and harmony.

रोहन : पूज्य गुरुदेव मुझे भी महाविदेह क्षेत्र में जन्म लेना है और श्री सीमंधर स्वामी के दर्शन करने हैं तो मुझे क्या करना चाहिए?

Rohan : Pujya Gurudev even I want to take birth in Mahavideh Kshetra and worship our Parmatma Simandhar Swami.

गुरुदेव : जब आप परमात्मा या गुरु की आज्ञा का पालन करते हो तो आप शुभ कर्म का बंध करते हो। वे शुभ कर्म आपको महाविदेह क्षेत्र ले जा सकते हैं। इस भव में गुरु की आज्ञा का पालन करने से मोक्ष रूपी फल की प्राप्ति होती है।

Gurudev: When you follow your Paramatma or Guru you will definitely bind good karmas. These karmas will take you to Mahavideh Kshetra.

अचानक रोहन जब निंद से उठा तो उसे एहसास हुआ की उसकी महाविदेह की यात्रा तो एक सपना ही था। उसने चाहा कि उसका यह सपना जल्द ही हकीकत में बदल जाए।

Suddenly Rohan woke up to realize that his trip to Mahavideh Kshetra was a dream! He hopes that his dream soon turns in to a reality.

प्रभुजी...

राग: साईं राग



सीमंधर स्वामी अंतर्यामी,
तमे छो तारणहार...
प्रभुजी... प्रभुजी...

एकावतारी समताधारी,
अजोड थया अणगार...
प्रभुजी... प्रभुजी...

कृपा तमारी श्रद्धा अमारी....
आशिष देजो अपार...
प्रभुजी... प्रभुजी...

स्मरण करीए रटण करीए,
अमे थइए भवपार...
प्रभुजी... प्रभुजी...

सीमंधर स्वामी अंतर्यामी,
तमे छो तारणहार...
प्रभुजी... प्रभुजी...



- Gurubhakt Mehta Parivar

MANAVTA MAHOTSAV



The morning witnessed 'A Celebration of being Human' while in the evening large gathering of Gurubhakt's experienced the divine jaap of Shree Uvassagaharam Stotra along with the rare and divine vibrations of Ravi Pushya Nakshtra for the well being of all on the auspicious occassion of Pujya Gurudev's 46th Janmotsav.



मानवता
महोत्सव



Inspiration

Rashtrasant Pujya Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

परम का उपदेश, प्रभु की पाठशाला में ले हम प्रवेश!

Learn at your convenient time

Become the best teacher of your child

Suitable for all ages in Gujarati, Hindi & English



Story



Activity



Facts



Quiz



PRABHU
KI
PAATHSHALA
DIVINITY TO ETERNITY



Tatvogyam



Audio-Visual

(+91) 99679-24172

Western & Northern Zone
Maharashtra,
Gujarat, New Delhi



Life Skills

(+91) 75959-64543

Eastern & Southern Zone
West Bengal,
Tamil Nadu

To Register

Whatsapp: "Prabhu maro sweekar karo"

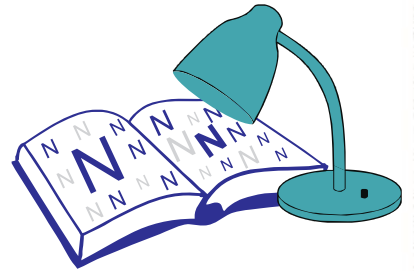
Send your Name, Age, City,

Profession, Choice of Messages (Child / Adult / Both)

022-21027676 / prabhukipathshala@gmail.com / www.parasdham.org

Build Your Vocabulary!!!

Dictionary The Naughty 'N'



**N - Namaskar Mantra
Jain Sashwat Mantra**



**N - Narak
One of the Gati**



**N - Namothunam
Samayik Sootra**



**N - Nandivardhan
Bhagwan Mahavir's Brother**

Find out and make a list of more Divine words starting with letter "N"

Nigodh

- Nysha Doshi

भक्तामर गाथा

वक्तुं गुणान् गुण समुद्र शशाङ्कान्तान्! कस्ते क्षमः सुरगुरु प्रतिमोऽपि बुद्ध्या।
कल्पान्त काल पवनोद्धत नक्रचक्रं ! को वा तरीतु मल मम्बु निर्धि भुजाभ्याम् ॥४॥

Vaktum gunan guna samudra shashank kantan! Kaste kshamah suraguru pratimoapi buddhya.
Kalpanta - kal - pavanoddhata - nakrachakra! Ko va taritu mala mbunidhim bhujabhyam || 4 ||

Meaning :

हे गुणों के भंडार! आपके चन्द्रमा के समान सुंदर गुणों को कहने के लिए बृहस्पति के सदृश कौन पुरुष समर्थ है? अर्थात् कोई नहीं। प्रलयकाल की वायु के द्वारा प्रचण्ड, मगर मच्छों का समूह है जिसमें ऐसे समुद्र को भुजाओं के द्वारा तैरने के लिए कौन समर्थ है? अर्थात् कोई नहीं।



Oh, Ocean of virtues! Can even Brihaspati, the Guru of Gods, with the help of his unlimited wisdom, narrate your virtues... Transparent and blissful as the moon? Certainly not! Is it possible for a man to swim across the reptile infested ocean, lashed by gales of deluge? Certainly not.

भक्तामर स्तोत्र की स्तुति से
पानीका उपद्रव नष्ट होता है।

Strike out the letters

that appear more than 3 times and
form a word from remaining letters...

A P B J C D S G
B F O K S K N M K
P Y C O P B B J N
O F I A S F H Y G
K N G C S O E F
Y G O K G J C Y H
V P N H

